

वर्षिक रिपोर्ट



गाँव डोढवां, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

विभिन्न रूप से सक्षम बच्चों का विशेष स्कूल साकार,
सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)



भूमिका

साकार सोसायटी विभिन्न रूप से सक्षम बच्चों का विषेय स्कूल साकार 1 जून, 2008 को सुन्दरनगर बी.बी.एम.बी. के चीफ इंजीनियर के कर कमलों से इस स्कूल की स्थापना हुई। इस सोसायटी में तीन बच्चों से साकार स्कूल की शुरुआत की थी।



साकार सोसायटी के उद्देश्य

इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था कि सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक जागृति द्वारा सामाजिक परिवर्तन लाना तथा जिला मण्डी के गांव-गांव में घर पर रह रहे विषेय बच्चों को स्कूल तक पहुंचाना और उन्हें विषेय शिक्षा देने तथा विषेय बच्चों के अभिभावकों को विषेय शिक्षा के बारे में जागरूक करना तथा सभी गांव व शहर के विषेय बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रह रहे को शिक्षा दिलाना।

साकार से मिल रही सुविधाओं को विषेय बच्चों तक पहुंचाना और अभिभावकों को उन सुविधाओं के बारे में जागरूक करवाना था। साकार संस्था के विषेय बच्चों को एक प्लेटफार्म देना ताकि उसके माध्यम से विषेय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर कर रहे परिवार के विषेय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना है ताकि कोई भी विषेय शिक्षा से वंचित न रह जाए जिस से की वह विषेय बच्चा अपना समाज से समाजस्य स्थापित कर सके ।



जागरूकता शिविर

जागरूकता अभियान अन्य वर्षों की भाँति इस वर्ष अप्रैल 2017 को Door to Doorविशेष बच्चों के अभिभावकों को बच्चों के बारे में जागरूक किया घर पर बच्चे से Activity of daily Living Skillका परिक्षण विशेष शिक्षक ने दिया ताकि अभिभावकों को बच्चे के बारे में ADL से सम्बन्धित समस्या को सामना न करना पड़े। पूरे वर्ष भर तीन दिन बाद चलती रही ताकि बच्चे को घर के वातावरण में ढल सके और तीन महीने बाद अभिभावकों से बच्चों के बारे में रिपोर्ट लेना जो बच्चे गम्भीर रूप से अक्ष थे उन बच्चों के परिवारों को जागरूक करना शुरू किया और जो अभिभावक गरीबी रेखा से नीचे अपना जीवन यापन कर रहे हैं उन का भी विषय रूप से खयाल रखा गया।

साकार सोसायटी द्वारा ट्रांसपोर्ट की सुविधा का प्रावधान

साकार सोसायटी के पास सन् 2016 अप्रैल तक एक ही गाड़ी थी। यह विशेष बच्चों को स्कूल लाती और घर तक ले जाती थी। बच्चों की संख्या बढ़ने के कारण साकार सोसायटी से दो और छोटी गाड़ियां तथा एक बस को खरीदा क्योंकि बच्चे दूर-दूर गांव से आने शुरू हुए। दूर दराज के क्षेत्रों व गाँवों से अभिभावक बच्चों को साकार में Admission करवाने पहुँचने लगे। उन बच्चों को उनके घर तक पहुचाने के लिए 2017 तक साकार के पास चार गाडियाँ थी जिसमें प्रत्येक गाड़ी पाँच से छः गावों के बच्चों को ले कर आती व जाती थी। लेकिन मार्च 2017 में साकार में बच्चों की संख्या बढ़ गई। साकार की छोटी गाड़ी सुमो को खरीदना पड़ा जो नेरचौक के आस-पास के गाँवों को कवर कर रही है। अब साकार में 65 से 70 बच्चे गाड़ी के माध्यम से स्कूल आते हैं तथा गाड़ी द्वारा ही बच्चों को वापस घर छोड़ा जाता है।



सर्वशिक्षा अभियान

राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे सर्व शिक्षा अभियान डाईट मण्डी ने सन् 2016-17 सत्र में सरकार संस्था को अगस्त के महीने में 20 बच्चों के लिए कुछ राशि घर पर शिक्षा देने के लिए दिया जाने लगी। यही 25000/- रुपये मार्च, 2016 तक मिलता रहा। यह संस्था सहायतार्थ के लिए राज्य सरकार व डाईट की धन्यवादी रही है



गरीबी रेखा के नीचे परिवार को सहायता

साकार संस्था सन् 2008 से ही जो गरीब बच्चे गरीबी रेखा से नीचे हैं, उन विषय बच्चों को साकार संस्था निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क ट्रांसपोर्ट की सुविधा दे रही है। इसके अतिरिक्त जिन बच्चों को जो भी जरूरत पड़ती है साकार संस्था पूरा कर रही है।

विशेष शिक्षा स्कूल

साकार सोसायटी गांव डोढवां में विशेष स्कूल चला रही है। इस स्कूल में 62 विशेष बच्चे विशेष शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह बच्चे मानसिक, शारीरिक रूप से बहुविकलांगता से ग्रस्त हैं। इस स्कूल की इमारत दो मंजिला है। बच्चों की संख्या बढ़ जाने पर साकार सोसायटी तीसरी मंजिल बनवा रही है। इस इमारत में बच्चों के रैम्प की व्यवस्था तथा शौचालय की व्यवस्था विकलांगता के अनुसार की गई है। हर मंजिल में दो शौचालय हैं। लड़के तथा लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था है।



व्यवसायिक शिक्षा

साकार संस्था विशेष शिक्षा के साथ-साथ 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए एक विशेष शिक्षक की नियुक्ति कर रही है। विशेष शिक्षक, विशेष बच्चों को सजावट की मोतियों की माला बनाना, मोमबत्ती बनाना, थैले बनाना, लिफाफे बनाना, आचार बनाने का प्रशिक्षण तथा लड़कियों को सिलाई का कार्य सिखाया जा रहा है। साकार स्कूल के बच्चों द्वारा निर्मित सामान का दीपावली त्यौहार पर स्टाल लगाती है और उस सामान को सेल करती है, प्राप्त राशि को बच्चों की भलाई के कार्यों में खर्च किया जाता है।



विशेष बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए रोजगार की सुविधा

साकार विशेष स्कूल में जो बच्चे 18 साल के हो चुके हैं तथा गरीब परिवार से सम्बन्ध रखते हैं, साकार संस्था ने तीन लड़कियों को स्कूल में रोजगार दे रखा है। यह लड़कियां जलवाहक का कार्य तथा विशेष शिक्षक के साथ अन्य कार्य में बच्चों की सहायता कर रही है। दो बच्चों के अभिभावक माताओं को आया की नौकरी दे रखी है। दोनों माताएं गरीब परिवार से सम्बन्ध रखती हैं। इन दोनों अभिभावकों के विशेष बच्चे स्कूल में विशेष शिक्षा ग्रहण करते हैं। इनके बच्चे गम्भीर रूप से मानसिक विकलांग हैं।

साकारसंस्था द्वारा 2017-18 के अर्न्तगत कराए गए कुछ मुख्य कार्य

1. योग दिवस:-

सन् 2017 में 19 जून 2017 को साकार संस्था में आर्ट ऑफ लिविंग ग्रुप ने विषेष बच्चों को योग प्रषिक्षण दिया। जो कि योग दिवस के रूप में मनाया गया।



2. बाल खेल-कूद प्रतियोगिता:-

24 मई 2017 से 25 मई 2017 को राष्ट्रीय स्तर पर साकार संस्था के 6 बच्चों ने सोनिपत में नेटबाल स्पर्धा में भाग लिया तीन लके और तीन लड़किया थी। जिन्होंने कुल तीन सिल्वर मैडल हासिल किए।

सन् 2017 में H.A.S.श्री राजीव कुमार मुख्य अतिथि द्वारा शुरुआत की गई 9 मई 2017 से 11 मई 2017 साकार संस्था राज्य स्तरीय नेटबाल खेल-कूद प्रतियोगिता जो पंजाब स्कूल सुन्दर नगर के मैदान पर साकार संस्था द्वारा करवाई गई जिसमें कि सात जिलों के विषेष बच्चों ने भाग लिया।



3. रोटरी क्लब के प्रधान द्वारा साकार में भ्रमण:—

1 जून 2017 को रोटरी क्लब के नये प्रधान जी ने साकार संस्था में भ्रमण किया। स्वास्थ्य विभाग के साथ सभा 6 जुलाई 2017 सुन्दरनगर के महावीर गैर सरकारी स्कूल में स्वास्थ्य विभाग के साथ सभा हुई। इस सभा में साकार ने अपने स्कूल रिपोर्ट को विभाग के सामने रखा।

4. PERSON WITH DISABILITY के COMMISSIONER द्वारा साकार का भ्रमण:—

19 जुलाई 2017 को कपेंड्रसपजल के आयुक्त ने साकार स्कूल का भ्रमण किया तथा यहां हो रहे कार्यों की सहराना की।

5. दन्त चिकित्सा शिविर:—

17 अगस्त 2017 को डॉ अमित द्वारा दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन साकार स्कूल में किया गया। विशेष बच्चों के दांतों की जांच की गई ताकि विशेष बच्चों के दांत खराब न हों।



6. विशेष बच्चों का एकीकरण:-

साकार विशेष स्कूल में Health Worker द्वारा पांच वर्ष और 9 वर्ष वाले बच्चों को टीकाकरण किया गया और इस कैम्प में आषा वर्कर गांव के प्रधान ने भाग लिया Health worker ने साकार में 34 बच्चों को टीके लगाए।



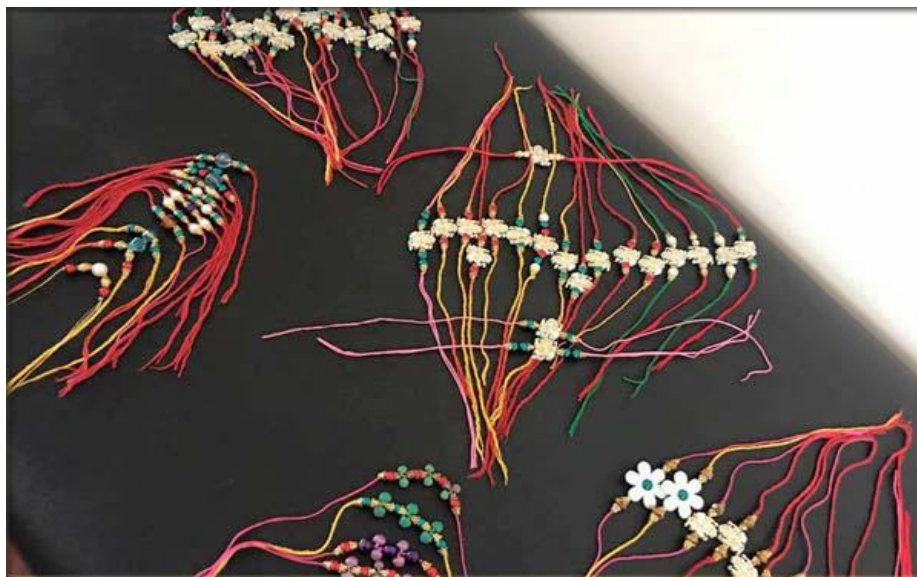
7. शिक्षण दिवस:—

5 सितम्बर 2017 को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर Shri K.K. Goel, (G.M., HPPCL) तथा Mr. Saroa (SC, BBMB) मौजूद रहे बच्चों रंगा-रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।



8. विशेष बच्चों द्वारा निर्मित वस्तुओं का स्टाल:—

विशेष बच्चों द्वारा निर्मित सामान का स्टाल रेडक्रास मेले में विशेष शिक्षक ने जवाहर पार्क सुन्दरनगर में लगाया।



9. वार्षिक उत्सव:—

7 अक्टुबर 2017 को साकार संस्था ने वार्षिक उत्सव मनाया। इस उत्सव के मुख्य अतिथि बी.बी.एम.बी. के चेयरमैन, मुख्य प्रबन्धक तथा अन्य माननीय सदस्य गण मौजूद रहे।





10. खेलकूद प्रतियोगिता:-

5 नवम्बर से 8 नवम्बर 2017 को नितिका देवी ने आगरा में हुई खेल प्रतियोगिता में भाग लिया तथा हीरल ने बौची में पटना में 17 अक्टुबर 2017 में भाग लिया। 24 नवम्बर 2017 को जिला मण्डी में खेलकूद प्रतियोगिता में साकार के 10 विशेष बच्चों ने भाग लिया।



11. विश्व विकलांगता दिवस:—

30 दिसम्बर 2017 को G.S.S.School (Boys) सुन्दरनगर में मनाया गया। साकार के बच्चों ने विशेष खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया Socee कौधी में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। Dyso द्वारा मण्डी में विरोस्टेट गेम का आयोजन दिसम्बर 2017 को किया जिसमें साकार के बच्चों ने रंगा-रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया

12. दन्त चिकित्सा जांच:—

10 जनवरी 2018 को दन्त चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। बच्चों के दान्तों की जांच की तथा बच्चों के दांतों को साफ किया गया।



13. HAND BALL खेल प्रतियोगिता:—

इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर HAND BALL खेल प्रतियोगिता का आयोजन धर्मशाला में किया गया। जिसमें साकार से 4 बच्चों ने भाग लिया।

14. बसन्त पंचमी का त्यौहार:—

21 जनवरी 2018 को साकार स्कूल में बसन्त पंचमी का त्यौहार मनाया गया। जिसमें साकार स्कूल के बच्चों ने Angel Public School के बच्चों के साथ मिलकर यह त्यौहार मनाया जिसमें की Angel Public School के अध्यापकों ने भी भाग लिया।



15. गणतंत्र दिवस:—

26 जनवरी 2018 को साकार स्कूल के बच्चों ने जवाहर पार्क सुन्दरनगर में गणतंत्र दिवस मनाया। इस उपलक्ष्य में साकार के बच्चों ने एकांकी और डान्स आदि प्रस्तुत किया।

16. नलवाड़ी मेला:—

साकार स्कूल के बच्चों ने 24 मार्च 2018 को नलवाड़ी में एक शानदार डान्स की प्रस्तुत किया।

17. खेलो INDIA:—

30 मार्च 2018 को खेलो India प्रतियोगिता जो की मण्डी में आयोजित की गई थी, साकार स्कूल के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।



18. विकास एवं दिशा केन्द्र:—

साकार संस्था को विकास और दिशा केन्द्र राष्ट्रीय न्यास द्वारा सन् 2017 में स्वीकृत हुए इन्होंने केन्द्र में 40 बच्चों शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

19. PHYSICAL THERAPY CENTRE:—

साकार संस्था ने गांव डोढ़वा में विशेष स्कूल के साथ Physical Therapy Centre चला रखा है। Physio के साथ C.P.बच्चों का विशेष अध्यापक जो की C.P.बच्चों को विशेष शिक्षा दे रहे है। विशेष बच्चों को आवश्यकता के ध्यान रखते हुए इन बच्चों को शारीरिक क्रियाकलाप के लिए यह Centre खोला ताकि विशेष बच्चे आत्मनिर्भर बन सके।



साकार संस्था द्वारा 2017-18 में किए गए अथक प्रयास :-

साकार सोसायटी द्वारा अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए किए गए अथक प्रयास 2017-18 इस प्रकार रहे।

1. विशेष स्कूल में विशेष बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार सुविधा देना।
2. अभिभावकों को बच्चों द्वारा उन्हें प्रशिक्षण देना।
3. शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों को लगातार Physiotherapy Confireकी सुविधा देना।
4. विशेष स्कूल में Speech Therapist द्वारा बच्चों को Speech Therapyदेकर उनकी समस्या का समाधान करना।
5. स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए लगभग 30 गांवों के बच्चों को गाड़ी द्वारा स्कूल पहुंचाना तथा छोड़ने की सुविधा देना।

6. कांगू में साकार की नई शाखा खोलने पर विचार।
7. विशेष बच्चों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर विचार।
8. Care Centre for proformer and severe special children care centre खोलने पर विचार।
9. Special Olympic Chord में सभी बच्चे प्रशिक्षण के लिए Special Training at Day Care Centre की सुविधा।
10. गरीबी रेखा से निचे सभी विशेष बच्चों को मुफ्त विशेष शिक्षा के साथ transport की सुविधा प्रदान करना।
11. Rural Area के विशेष बच्चों को Day Care Centre में विशेष शिक्षा दिलाना तथा घर पर Generalization के लिए अभिभावकों को प्रशिक्षण देना।
12. आया कर चवेज पर विशेष बच्चों को स्कूल में रोजगार देना तथा जिन माता-पिता के बच्चे विशेष हैं उन्ही अभिभावकों को रोजगार का प्रथम अवसर विशेष स्कूल में देना। ताकि विशेष बच्चों की आवश्यकता को समझ सकें।
13. शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों अलग से विशेष अध्यापक प्रावधान Da Care Centre Sakar में है।

